# अपनी कक्षा में अंग्रेज़ी का अधिकतम उपयोग करना

भारत में विद्यालय आधारित समर्थन के माध्यम से शिक्षक शिक्षा

www.TESS-India.edu.in

http://creativecommons.org/licenses/

# संदेश

शिक्षकों को बाल केंन्द्रित कक्षा अभ्यास की ओर उन्मुख करने तथा शिक्षक प्रशिक्षण की गुणवत्ता को बेहतर बनाने के उद्देश्यों को सम्मुख रखते हुए TESS-India राष्ट्रीय स्तर पर कार्यरत है। इस दिशा में TESS-India द्वारा मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) का विकास किया गया है । ये संसाधन शिक्षकों तथा शिक्षक–प्रशिक्षकों के वृत्ति विकास (Professional development) में लाभकारी एवं उपयोगी सिद्ध होंगे। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के नेतृत्व में इन संसाधनों का स्थानीयकृत किया गया है, जिसके अन्तर्गत इनके उद्देश्य के मूल को बरकरार रखते हुए इनमें स्थानीय, भाषा, बोली, प्रथाओं, संस्कृतियों तथा नियमों को सम्मिलित किया गया है। इनका उपयोग शिक्षण कार्य में सहजता एवं सुगमता पूर्वक किया जा सकता है ।

राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद, बिहार के मार्गदर्शन में TESS-India द्वारा स्थानीय भाषा में तैयार मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Educational Resources) नेट पर आप सभी के लिए सुलभ उपलब्ध है ।

शुभकामनाओं सहित ।

(डॉ0 मुरली मनोहर सिंह)
निदेशक
एस0सी0ई0आर0टी0, बिहार

| समीक्षा एवं दिशाबोध |
|---|
| डॉ. मुरली मनोहर सिंह, निदेशक राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. सैयद अब्दुल मोईन, विभागाध्यक्ष, अध्यापक शिक्षा विभाग, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. क़ासिम खुर्शीद, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् |
| डॉ. इम्तियाज़ आलम, विभागाध्यक्ष, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. स्नेहाशीष दास राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. अर्चना, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| डॉ. रीता राय, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |
| श्री तेज नारायण प्रसाद, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद्, बिहार |

| स्थानीयकरण |
|---|
| **भाषा और शिक्षा** |
| डॉ. ज्ञानदेव मणि त्रिपाठी, प्राचार्य, मैत्रेय कॉलेज ऑफ एडुकेशन एण्ड मैनेजमेंट, हाजीपुर, वैशाली |
| श्री सुमन सिंह, प्रखंड साधनसेवी, भगवानपुर हाट, सिवान |
| श्री कात्यायान कुमार त्रिपाठी, प्राथमिक विद्यालय चैलीटाल, पटना |
| श्री कृत प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, हिलसा, नालंदा |
| **प्राथमिक अंग्रेज़ी** |
| श्री अरशद रज़ा, सहायक शिक्षक, प्राथमिक विद्यालय, पचासा रहुई, नालंदा |
| श्री संतोष सुमन, सहायक शिक्षक, बालिका उच्च विद्यालय, महुआबाग |
| श्री शशि भूषण पाण्डेय, सहायक शिक्षक, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, मुकुन्दपुर, नालंदा |
| श्रीमती रचना त्रिवेदी, शिक्षिका, नोट्रेडेम अकादमी, पटना |
| **माध्यमिक अंग्रेज़ी** |
| श्री मणिशंकर, प्रधानाध्यापक, तारामणी भगवानसाव उच्च माध्यमिक विद्यालय, कोइलवर, भोजपुर |
| डॉ. ब्रजेश कुमार, शिक्षक, पी. एन. एंग्लो संस्कृत माध्यमिक विद्यालय, नया टोला, पटना |
| **प्राथमिक गणित** |
| श्री कृष्ण कान्त ठाकुर |
| श्री दिलीप कुमार, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, बुलनी हैदरपुर, नालंदा |
| श्री गोविन्द प्रसाद, प्रखंड साधनसेवी, चनपटिया, पश्चिमी चम्पारण |
| **माध्यमिक गणित** |
| डॉ. राकेश कुमार, भागलपुर डायट |
| श्री रिज़वान रिज़वी, उत्क्रमित मध्य विद्यालय, सिलौटा चाँद, कैमूर |
| श्री इन्द्रभूषण कुमार, शिक्षक, सहयोगी माध्यमिक विद्यालय, हाजीपुर, वैशाली |
| **प्राथमिक विज्ञान** |
| श्री मनोज त्रिपाठी, प्रखंड साधनसेवी, बरहारा, भोजपुर |
| श्री शशिकान्त शर्मा, प्रखंड साधनसेवी, आरा, भोजपुर |
| श्री रणबीर सिंह, संकुल संसाधन केन्द्र समन्वयक, आदर्श आवासीय मध्य विद्यालय शिक्षक संघ, सहरसा |
| **माध्यमिक विज्ञान** |
| श्री जी.वी.एस.आर प्रसाद |
| श्री मुकुल कुमार, शिक्षक, सहायक शिक्षक, गोरखनाथ सूर्यदेव माध्यमिक विद्यालय, राजापाकर वैशाली |

*TESS-India (Teacher Education Through School Based Support)* का लक्ष्य है भारत में मुक्त शैक्षिक संसाधनों के द्वारा प्राथमिक और माध्यमिक स्तरों पर शिक्षकों के कक्षा अभ्यासों को बेहतर करना। ये संसाधन शिक्षकों के छात्र–केन्द्रित, भागीदारी दृष्टिकोण को विकसित करने में सहायता करेंगे।

*TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन (Open Education Resources – OERs) शिक्षकों को स्कूल की पाठ्यपुस्तक के लिए सहायक पुस्तिका प्रदान करते हैं।* ये संसाधन शिक्षकों के लिए गतिविधियाँ प्रदान करते हैं जो वे कक्षा में अपने छात्रों के साथ कर सकते हैं। साथ ही इनमें केस स्टडी भी हैं जो ये दर्शाते हैं कि किस प्रकार दूसरे शिक्षकों ने उस विषय को सिखाया है। संबंधित संसाधन शिक्षकों को पाठ योजना बनाने में और विषय पर ज्ञान वर्धन करने में उनकी सहायता करते हैं।

*TESS-India के मुक्त शैक्षिक संसाधन भारतीय पाठ्यक्रम और संदर्भों के अनुकूल* हैं। ये *भारतीय तथा अतंर्राष्ट्रीय लेखकों के सहयोग से तैयार* किये गये हैं *और ये ऑनलाइन तथा प्रिंट उपयोग के लिए उपलब्ध है (http://www.tess-india.edu.in) ।* मुक्त शैक्षिक संसाधन अनेकों संस्करणों में उपलब्ध हैं जो प्रत्येक राज्य के लिए उपयुक्त है जहाँ TESS India कार्यरत है। उपयोगकर्ता इन संसाधनों को अनुकूल और स्थानीयकृत करने के लिए स्वतंत्र हैं ताकि ये स्थानीय आवश्यकताओं और संदर्भों को पूरा कर सकें।

*TESS-India मुक्त विश्वविद्यालय, ब्रिटेन के नेतृत्व में तथा ब्रिटेन की सरकार द्वारा वित्त-पोषित है।*

***वीडियो संसाधन***

*इस इकाई की कुछ गतिविधियों के साथ निम्न प्रतीक का उपयोग किया गया है:* *. इससे संकेत मिलता है कि निर्दिष्ट अध्यापन संबंधी थीम के लिए TESS-India वीडियो संसाधनों को देखना आपके लिए उपयोगी होगा।*

*TESS-India वीडियो संसाधन भारत में अनेक प्रकार की कक्षाओं के संदर्भ में मुख्य अध्यापन तकनीकों का वर्णन करते हैं। हमें आशा है कि वे आपको इसी प्रकार के अभ्यासों के साथ प्रयोग करने के लिए प्रेरित करेंगे। उनका उद्देश्य पाठ (टेक्स्ट) पर आधारित इकाइयों के माध्यम से काम करने के आपके अनुभव का पूरक होना और उसे बढ़ाना है।*

*TESS-India वीडियो संसाधनों को ऑनलाइन देखा या TESS-India की वेबसाइट, http://www.tess-india.edu.in/ से डाउनलोड किया जा सकता है। वैकल्पिक रूप से, आप ये वीडियो सीडी या मेमोरी कार्ड के माध्यम से भी देख सकते हैं।*

*संस्करण 2.0 SE02v1*
*Bihar*

*तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है: http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/*

*TESS-India is led by The Open University UK and funded by UK aid from the UK government*

## यह इकाई किस बारे में है

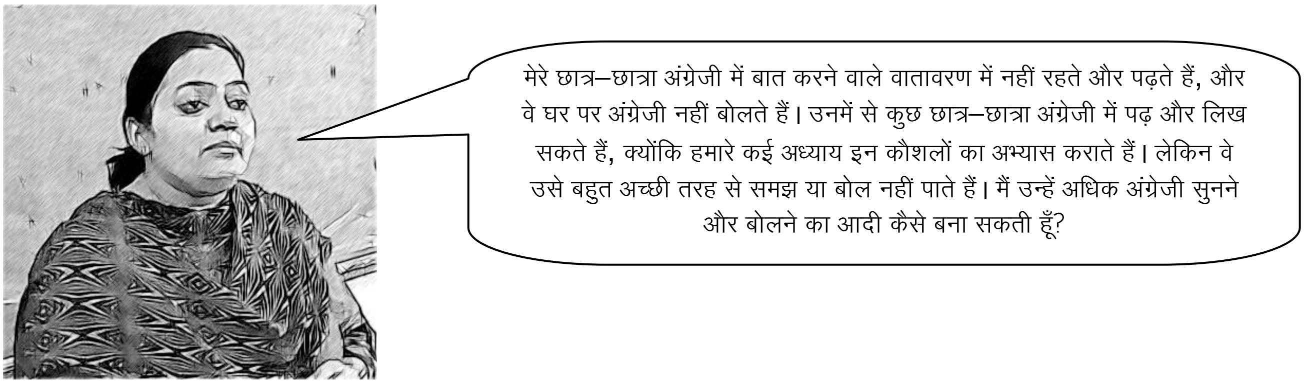


ऐसे दो महत्वपूर्ण कारक हैं जो आपके छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी सुनने और बोलने में अधिक आत्मविश्वासी बना सकते हैं:

- बोली जाने वाली अंग्रेजी के नियमित संपर्क में रहना और संवाद के लिए प्रयुक्त भाषा को सुनना।
- अंग्रेजी बोलने का नियमित अभ्यास करना ताकि वे भाषा का उपयोग करने में आत्मविश्वास विकसित करें, और उसकी लयों से परिचित हों और उसके उच्चारण में सहज हों।

हमारे छात्र–छात्राओं के लिए अंग्रेजी में वास्तविक और अर्थपूर्ण संवाद में संलग्न होने के लिए कई अवसर होना महत्व रखता है। भाषा सीखने का एक अच्छा तरीका है दैनिक जीवन में उसके उपयोग के समय उसमें तल्लीन हो जाना। आपके छात्र–छात्राओं ने अपनी स्थानीय भाषाएं इसी तरह से सीखी हैं। चूंकि भारत में अंग्रेजी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, उनमें से कई छात्र–छात्रा अंग्रेजी को भी इसी तरीके से सीख रहे होंगे। लेकिन आपके छात्र–छात्राओं के कक्षा के बाहर अंग्रेजी से अधिक संपर्क में न आने पर भी, वे इस भाषा को सीखने में उल्लेखनीय प्रगति कर सकते हैं यदि उन्हें कक्षा के भीतर इसे सुनने और बोलने का ढेर सारा अभ्यास मिलता हो (Lindsay and Knight, 2006, p. 8)।

यह इकाई इस बात का अध्ययन करती है कि आप अपनी कक्षा में अंग्रेजी में interaction की संख्या में वृद्धि कैसे कर सकते हैं। इस तरह, अंग्रेजी ऐसी कोई चीज नहीं रहेगी जिससे छात्र–छात्रा डरते या जिसके बारे में चिंतित होते हैं; बल्कि, वह आपके द्वारा अपने छात्र–छात्राओं के साथ संवाद करने का और उनके लिए आपस में बातचीत करने का एक आसान और स्वाभाविक तरीका बन जाएगा। यह इकाई आपको बोलने का अभ्यास करने में आपके छात्र–छात्राओं की मदद करने के भी कुछ तरीके दिखाती है ताकि वे भाषा की लय और उच्चारण से अधिक परिचित हो जाएं, और यह काम उनके लिए अधिक सहज हो जाय।

## आप इस इकाई में सीख सकते हैं

- कक्षा की दैनिक गतिविधियों में अंग्रेजी का उपयोग कैसे करें।
- कक्षा की दैनिक गतिविधियों में अंग्रेज़ी का अधिक उपयोग करने में अपने छात्र–छात्राओं की सहायता कैसे करें।
- अंग्रेजी बोलने के लिए आत्मविश्वास विकसित करने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए पाठ्यपुस्तक की योजना और उपयोग कैसे करें।

## 1 कक्षा की दैनिक गतिविधियों के लिए अंग्रेजी

कक्षा की दैनिक गतिविधियाँ अंग्रेजी को नियमित रूप से सुनने और बोलने के लिए आपके छात्र–छात्राओं के लिए अर्थपूर्ण वास्तविक अवसर प्रदान कर सकती हैं। ऐसी छोटी गतिविधियों में आपके छात्र–छात्राओं का अभिवादन करना, हाजिरी लेना, नए विषय का परिचय देना या निर्देश देना जैसी चीजें शामिल हो सकती हैं। कक्षा में अंग्रेजी का इस तरह से उपयोग आपके छात्र–छात्राओं के लिए लाभदायक होता है क्योंकि उन्हें अधिक अंग्रेजी सुनने को मिलती है और वे

वास्तविक जीवन में संवाद हेतु भाषा का उपयोग करने के तरीके को सुनते हैं। इससे उन्हें अंग्रेजी बोलने का एक उद्देश्य भी प्राप्त होता है।

**ज़रा सोचिए**

अंग्रेजी की उस आखिरी कक्षा के बारे में सोचें जिसे आपने पढ़ाया था:

- आपने कितनी अंग्रेजी बोली थी?
- किस प्रकार की गतिविधियों के लिए आपने अंग्रेजी का उपयोग किया था?

अंग्रेजी में संवाद करने में समर्थ होने के लिए, छात्र–छात्राओं की भाषा को केवल पाठ्यपुस्तक के अभ्यासों में ही नहीं, बल्कि ढेर सारे अलग परिवेशों में और ढेर सारे विभिन्न कार्यों के साथ नियमित रूप से सुनने और बोलने में समर्थ होने की जरूरत पड़ेगी।

## गतिविधि 1: अंग्रेजी की अपने उपयोग में वृद्धि करना

### भाग 1: अपने अभ्यास के बारे में सोचना

कक्षा की नीचे सूचीबद्ध परिस्थितियों के बारे में सोचें। इन परिस्थितियों में आप अपने छात्र–छात्राओं से आम तौर पर क्या कहते हैं? किस भाषा का उपयोग आप आम तौर पर करते हैं? क्या कोई ऐसी गतिविधियाँ हैं जिनके लिए आप हमेशा छात्र–छात्राओं की स्थानीय भाषा का उपयोग करते हैं और ऐसी अन्य गतिविधियाँ हैं जिनके लिए आप अंग्रेजी का उपयोग करते हैं? क्या आप अपने अंग्रेजी के उपयोग में वृद्धि कर सकते हैं? हो सके तो अपने किसी सहकर्मी के साथ इन प्रश्नों पर चर्चा करें।

- छात्र–छात्राओं का अभिवादन करना
- हाजिरी लेना
- निर्देश देना
- पूर्व ज्ञान की जाँच करना

- बर्ताव का प्रबंधन करना
- छात्र–छात्राओं को बोलने के लिए प्रोत्साहित करना
- अपने छात्र–छात्राओं की प्रशंसा करना
- गृहकार्य देना
- अलविदा कहना
- अपने छात्र–छात्राओं से उनके जीवन के बारे में बात करना।

तालिका 1 कक्षा की कुछ दैनिक दिनचर्याओं को सूचीबद्ध करती है। कुछ अंग्रेजी वाक्यांश दिए गए हैं जिनका उपयोग आप प्रत्येक परिस्थिति में कर सकते हैं। प्रत्येक बॉक्स में कुछ और वाक्यांश लिखें।

***तालिका 1*** *कक्षा की विभिन्न परिस्थितियों के लिए अंग्रेजी वाक्यांश।*

| कक्षा की परिस्थिति | अंग्रेजी वाक्यांश |
|---|---|
| छात्र–छात्राओं का अभिवादन करना | Namaste. Good morning. How are you today? |
| हाजिरी लेना | Who is missing today? Is anyone absent? |
| निर्देश देना | Students, please open your book at page 15.<br>Now we will do lesson 10. |
| पूर्व ज्ञान की जाँच करना | The topic of the lesson is Nelson Mandela. Can anyone tell me who he is? |
| बर्ताव का प्रबंधन करना | Students, could you all sit down please. |
| अपने छात्र–छात्राओं को बोलने के लिए प्रोत्साहित करना | Would you like to try to answer, Sandesh? |
| अपने छात्र–छात्राओं की प्रशंसा करना | Very good! |
| गृहकार्य देना | Please finish this activity at home. |
| अलविदा कहना | OK, that's all for today. Goodbye. See you all tomorrow. |
| अपने छात्र–छात्राओं से सामान्य परिवेश की बात करना | What did you do yesterday after school? |

जब आप सूची में कुछ वाक्यांश जोड़ लें, तब अपने वाक्यांशों की तुलना संसाधन 1 में सूचीबद्ध वाक्यांशों के साथ करें।

**भाग 2: पढ़ाने की तैयारी करना**

अब आपने तालिका में जो वाक्यांश लिखें हैं उनमें से कुछ ऐसे अंग्रेजी वाक्यांशों को चुनें जिन्हें आपने अपनी कक्षा में पहले नहीं आजमाया है, या संसाधन 1 से कुछ वाक्यांश चुनें। इन वाक्यों का ऊँची आवाज में, घर पर या किसी सहकर्मी के साथ अभ्यास करें।

याद रखें कि हो सकता है आपके छात्र–छात्रा शुरू में वाक्यांशों को न समझ पाएं। हावभाव और कार्यकलाप समझने में उनकी मदद करेंगे। उदाहरण के लिए, जब आप निम्नलिखित कहते हैं तो आप इस हावभाव का उपयोग कर सकते हैं:

वाक्यांशों को बोलने के साथ–साथ हावभावों का अभ्यास करें।

**भाग 3: कक्षा में**

जब आप नए वाक्यांश के प्रति अपने को आश्वस्त महसूस करें, तब उसे कक्षा में आजमाएं। हावभावों का उपयोग करें और छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी में या उनकी स्थानीय भाषा में उत्तर देने के लिए प्रोत्साहित करें।

जब भी आप कक्षा में नए वाक्यांशों का उपयोग करें:

- व्याकरण की गलतियाँ करने के बारे में अत्यधिक चिंता न करें। आपके छात्र–छात्रा संभवतः ध्यान नहीं देंगे।
- अपने उच्चारण के बारे में अत्यधिक चिंता न करें। छात्र–छात्राओं के लिए केवल अंग्रेजी को बोले जाते समय सुनना महत्वपूर्ण है। यदि आपको चिंता है तो आप अपने अध्यायों से पहले कुछ शब्दों और ध्वनियों के उच्चारण का अभ्यास कर सकते हैं या किसी मित्र या सहकर्मी के साथ अभ्यास करें (देखें संसाधन 1)।
- यदि आपके छात्र–छात्रा आरंभ में कोई बात न समझें, तो उसका अनुवाद न करें। वाक्यांश को कुछ बार दोहराएं और आप जो कह रहे हैं उसे समझने के लिए अपने छात्र–छात्राओं को कुछ समय दें। अपना मतलब समझाने के लिए हावभाव और कार्यकलापों का उपयोग करने का प्रयास करें।
- याद रखें कि आपकी कक्षाओं का पूरी तरह से अंग्रेजी में होना जरूरी नहीं है। छात्र–छात्राओं की समझ को जाँचने के लिए उनकी अन्य भाषाओं का उपयोग अच्छा होता है। बस समय के साथ–साथ अधिक से अधिक

अंग्रेजी का उपयोग करने का प्रयास करें।

आप अंग्रेजी का उपयोग करना किसी भी समय शुरू कर सकते हैं। अंग्रेजी की कोई भी मात्रा 'बिल्कुल नहीं' से बेहतर होगी। यदि आपको लगे कि यह आपके लिए कठिन है, या आपके छात्र–छात्रा प्रतिक्रिया नहीं कर रहे हैं, तो प्रयास जारी रखें। हार न मानें!

## केस स्टडी 1: श्री संजय कुमार शर्मा अपनी अंग्रेजी कक्षा में अंग्रेजी का अधिक उपयोग करते हैं

*श्री संजय माध्यमिक छात्र–छात्राओं को कई वर्षों से अंग्रेजी पढ़ा रहे हैं लेकिन उनके छात्र–छात्रा उसे स्वयं बोलने में पर्याप्त रूप से आश्वस्त नहीं हैं। उनकी भाषा सीखने में मदद करने के लिए वे कक्षा में अधिक अंग्रेजी बोलने का निश्चय करते हैं। हालांकि शुरू में उन्हें कठिनाई होती है, पर वे देखते हैं कि छात्र–छात्रा जल्दी ही कक्षा में अधिक अंग्रेजी सुनने के आदी हो जाते हैं।*

मैंने अपनी पिछली कक्षा में कितनी अंग्रेजी का उपयोग किया इस पर विचार कर रहा था। मेरी प्रवृत्ति अधिकतर बस पाठ को पढ़ कर सुना देने की होती है। मैं कक्षा में बोलचाल की अधिक अंग्रेजी का उपयोग करना चाहता हूँ। जब मैं शिक्षक बनने के लिए पढ़ रहा था तब मैं काफी अंग्रेजी का उपयोग किया करता था, लेकिन अब मुझे उसका अभ्यास नहीं है। इसलिए अपने छात्र–छात्राओं के साथ अधिक अंग्रेजी का उपयोग शुरू करने से पहले मैंने स्वयं अभ्यास करने का निश्चय किया। मैंने उन चीजों को सोचने का प्रयास किया जो मैं आम तौर पर छात्र–छात्राओं से उनकी स्थानीय भाषा में कहता हूँ, जैसे 'Today we are doing Lesson 3', और 'Can you read the next line please?' मैंने इन वाक्यांशों का अभ्यास अंग्रेजी में खुद के साथ बार–बार और ऊँची आवाज में किया, ताकि जब मैं उनका उपयोग छात्र–छात्राओं के साथ करूँ तब वे सुनने में सहज लगें।

अगले दिन मैंने यह कहकर कक्षा का आरंभ किया:

> Good morning, students. Please open your books at page 14. Today we will be looking at Lesson 2 and reading the story 'The Little Girl'.
>
> Before we read, please look at the picture . What do you see there? Why do you think the father is very weak?

उन्होंने मुझे कुछ अचरज के साथ देखा। शुरू में, किसी ने प्रतिक्रिया नहीं की। इसलिए मैंने उनको किताबें खोलने के निर्देश को और दो बार दोहराया। अंततः, उन सबों ने अपनी किताबें सही पृष्ठ पर खोल लीं। फिर मैंने अपनी किताब निकाली और उन्हें पृष्ठ 14 पर दिया गया चित्र दिखाया। मैंने प्रश्न दोहराया:

> Why do you think the father is very weak ?

कक्षा में बिल्कुल शांति थी, लेकिन मैंने अपने छात्र–छात्राओं के जवाब के लिए कुछ क्षण प्रतीक्षा की। अंततः एक छात्र ने कहा 'old'। तो मैंने जवाब में कहा: 'Good! Yes, I think he's old.'

उस दिन से, मैंने कक्षा में अपने छात्र–छात्राओं के साथ अधिक से अधिक अंग्रेजी का उपयोग शीघ्रता से करना शुरू

कर दिया। मैंने कक्षा में 'Can you read the next line please?' जैसे निर्देश देने शुरू किए। मुझे आश्चर्य हुआ कि वे कितनी शीघ्रता से मुझसे अंग्रेजी में बात करने के अभ्यस्त हो गए। कभी–कभी मुझे निर्देशों को कई बार दोहराना पड़ता था, लेकिन जल्दी ही उनमें से अधिकतर छात्र–छात्रा समझने लगे।

मैं धीरे–धीरे कक्षा में अंग्रेजी का अधिकाधिक उपयोग करने लगा हूँ, और इसके बारे में अधिक आश्वस्त हो रहा हूँ। मैं जानता हूँ कि मैं कुछ गलतियाँ करता हूँ और मेरा उच्चारण सटीक नहीं है, लेकिन मेरे छात्र–छात्राओं को इसका पता नहीं चल रहा है। कभी–कभी मुझे शब्दावली के साथ समस्या होती है, और मैं किसी ऐसे शब्द या वाक्य को सोच नहीं पाता हूँ जिसका उपयोग मैं अंग्रेजी में करना चाहता हूँ। जब ऐसा होता है तो, मैं जो कुछ अंग्रेजी में कहना चाहता हूँ उसे किसी अन्य तरीके से कहने पर विचार करने का प्रयास करता हूँ। अंतिम उपाय के रूप में, मैं हिंदी शब्द का उपयोग करता हूँ। मैं जिन शब्दों को नहीं जानता उन्हें नोट करने की कोशिश करता हूँ। कक्षा के बाद, मैं अपने किसी सहकर्मी से पूछता हूँ या शब्दकोश में उस शब्द को खोजता हूँ। इससे मुझे अपनी अंग्रेजी को सुधारने में भी मदद मिल रही है! और मैं देख रहा हूँ कि मेरे छात्र–छात्रा मुझे जवाब देते समय अंग्रेजी के कुछ शब्द कहने में अधिक आत्मविश्वासी होने लगे हैं। मैं उन्हें तत्काल सही करने का प्रयास नहीं करता हूँ बल्कि वे जो कुछ कह रहे हैं उसके तात्पर्य को ध्यान से सुनता हूँ।

## 2 कक्षा की दैनिक गतिविधियों के लिए अंग्रेजी बोलने में छात्र–छात्राओं की सहायता करना

जब आप कक्षा की दैनिक गतिविधियों के लिए अंग्रेजी का उपयोग करते हैं, तब आपके छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी का उपयोग करके आपको उत्तर देने के अधिक अवसर प्राप्त होते हैं। यह आपके छात्र–छात्राओं के लिए संवाद करने के लिए भाषा का उपयोग करने का वास्तविक प्रयोजन है। आप अपने साथ और एक दूसरे के साथ अधिक अंग्रेजी बोलने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद कर सकते हैं, जिसके लिए आप उनके उपयोग हेतु कुछ वाक्यांशों का सुझाव दे सकते हैं और उनसे इन वाक्यांशों का अभ्यास करा सकते हैं। अभ्यास से, छात्र–छात्रा भाषा का स्वतंत्र रूप से उपयोग करने में अधिक आत्मविश्वासी और अधिक सक्षम बन जाएंगे।

### ज़रा सोचिए

अंग्रेजी की उस आखिरी कक्षा के बारे में सोचें जिसे आपने पढ़ाया था:

- आपके छात्र–छात्राओं ने कितनी अंग्रेजी बोली?
- किस प्रकार की गतिविधियों के लिए उन्होंने अंग्रेजी का उपयोग किया?

कई अंग्रेजी कक्षाओं में, छात्र–छात्रा अधिक अंग्रेजी नहीं बोलते हैं। वे पाठ्यपुस्तक के गद्यांशों या कविताओं को ऊँची आवाज में पढ़ सकते हैं या ऐसी कोई चीज पढ़कर सुना सकते हैं जो उन्होंने लिखी है। ये सभी उपयोगी गतिविधियाँ हैं और छात्र–छात्राओं के उच्चारण को सुधारने में सहायता करती हैं। वे उन्हें बातों को अंग्रेजी में कहने का अभ्यस्त भी बनाती हैं। तथापि, छात्र–छात्राओं को कक्षा के भीतर और बाहर, दोनों स्थानों में वास्तविक जीवन के उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी में संवाद करने का अभ्यास करने की जरूरत भी है।

निम्नलिखित गतिविधि ऐसे कुछ वाक्यांशों का अभ्यास करने में आपके छात्र–छात्राओं की सहायता करने के लिए कुछ विचार प्रदान करती है जिनका उपयोग वे कक्षा की दैनिक गतिविधियों के लिए, आपसे और अन्य छात्र–छात्राओं दोनों के साथ कर सकते हैं। इससे उनके स्वतंत्र रूप से बोलने के आत्मविश्वास और क्षमता में वृद्धि होगी।

### गतिविधि 2: कक्षा की दैनिक गतिविधियों में अंग्रेज़ी का अधिक उपयोग करने में अपने छात्र–छात्राओं की सहायता करना

यह गतिविधि कक्षा की भाषा के कुछ उदाहरण खोजने में आपकी सहायता करती है जिनका उपयोग आपके छात्र–छात्रा आपके और एक दूसरे के साथ कर सकते हैं। फिर यह आपको भाषा का अभ्यास करने में उनकी मदद करने के लिए कुछ कार्यनीतियाँ प्रदान करती है ताकि वह उनके लिए अधिक सहज बन सके।

**भाग 1: दैनिक अंग्रेजी की सूची बनाना**

1. अपने छात्र–छात्राओं से पूछें: 'वे प्रश्न क्या हैं जो आप मुझसे सबसे अधिक बार पूछते हैं?' यदि आपके छात्र–छात्रा अधिक प्रश्न नहीं पूछते हैं, तो आप उन प्रश्नों के प्रकार के बारे में सोचने में उनकी सहायता कर सकते हैं जो वे आपसे पूछ सकते हैं। यह काम उनकी स्थानीय भाषा में करें। वे निम्न प्रकार के प्रश्न हो सकते हैं:

What does 'snoring' mean?

या

What is तीर्थस्थान in English?

आप उनसे उन प्रश्नों के बारे में सोचने को भी कह सकते हैं जो वे अपने अंग्रेजी पाठों की गतिविधियाँ करते समय एक दूसरे से पूछते हैं, उदाहरण के लिए जोड़ी में कार्य में (उदाहरणों के लिए देखें संसाधन 2)। यदि आपके छात्र–छात्रा जोड़ी में कार्य करने के अभ्यस्त नहीं हैं, तो इससे आपको उसे करने के विचार का परिचय देने में सहायता मिलेगी। अधिक जानकारी के लिए, देखें संसाधन 3, 'जोड़ी में कार्य का उपयोग करना'।

2. इन प्रश्नों को छात्र–छात्राओं की घर की भाषा में ब्लैकबोर्ड पर लिखें।
3. अपने छात्र–छात्राओं के साथ मिलकर, सोचें कि इन वाक्यांशों को आप अंग्रेजी में कैसे कह सकते हैं।
4. अंग्रेजी वाक्यांशों को ब्लैकबोर्ड पर लिखें।

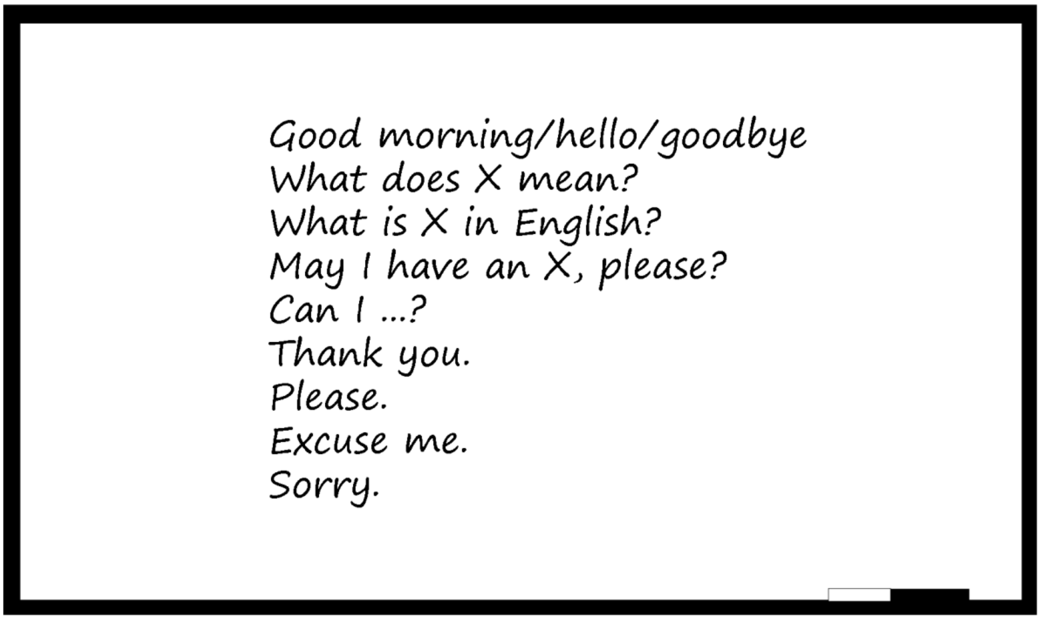


5. उच्चारण का अभ्यास करने के लिए, अपने छात्र–छात्राओं से हर वाक्यांश को सुनने और अपने बाद दोहराने को कहें। इससे समूह में इन अभिव्यक्तियों को कहने में उनके आत्मविश्वास का निर्माण करने में मदद मिलती है।
6. वाक्यांश को वैयक्तिक रूप से दोहराने के लिए कक्षा के कुछ छात्र–छात्राओं का चुनाव करें। इससे आपको यह जाँचने में सहायता मिलती है कि क्या वे इन वाक्यांशों का उपयोग करने में पर्याप्त रूप से आत्मविश्वासी बन

रहे हैं। यदि आपको लगता है कि आपके छात्र–छात्रा हिचक रहे हैं या उच्चारण के बारे में अस्पष्ट हैं, तो उनसे इन वाक्यांशों को समूह में दोबारा दोहराने को कहें।

7. उनकी समझ को परखने के लिए, वाक्यांश को छात्र–छात्राओं की स्थानीय भाषा में कहें और उनसे अंग्रेजी में उसका समतुल्य वाक्यांश बताने को कहें।
8. चार्ट पेपर का एक टुकड़ा लें। छात्र–छात्राओं को अलग–अलग बुलाकर हर एक से कागज पर एक वाक्यांश लिखवाएँ।
9. कागज को कक्षा की दीवारों पर लटकाएं। छात्र–छात्राओं को प्रति दिन वाक्यांश याद दिलाएं और उनका उपयोग करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करें।
10. छात्र–छात्राओं के इन वाक्यांशों के साथ सहज हो जाने पर, वाक्यांशों का एक नया चार्ट बनाएं जिसका उपयोग आप कक्षा में कर सकते हैं ताकि आप अपने द्वारा प्रयुक्त अंग्रेजी की मात्रा बढ़ा सकें।

**भाग 2: कक्षा की भाषा का अभ्यास करना**

भाग 1 में आपने कुछ दैनिक उपयोग की ऐसी भाषा खोजी और प्रदर्शित की जिसका उपयोग छात्र–छात्रा कक्षा में कर सकते हैं। इन वाक्यांशों का नियमित रूप से उपयोग करने में आपके छात्र–छात्राओं को आत्मविश्वासी बनने के लिए अभ्यास की जरूरत पड़ेगी। यह गतिविधि आपके छात्र–छात्राओं की इन वाक्यांशों का अभ्यास समूह में, जोड़ियों में और वैयक्तिक रूप से करने में मदद करने के बारे में कुछ विचार प्रदान करती है ताकि भाषा उनके उपयोग के लिए अधिक सहज बन जाय।

1. चार्ट पेपर पर आपके द्वारा प्रदर्शित दैनिक वाक्यांशों या कथनों में से एक को चुनें, उदाहरण के लिए यह संवाद जिसका उपयोग छात्र–छात्रा जोड़ी में कार्य गतिविधि में कर सकते हैं:

Do you know what this word means?

No, I don’t know it either. Let’s ask Preeta. She probably knows. Preeta, do you know what ‘humble’ means?

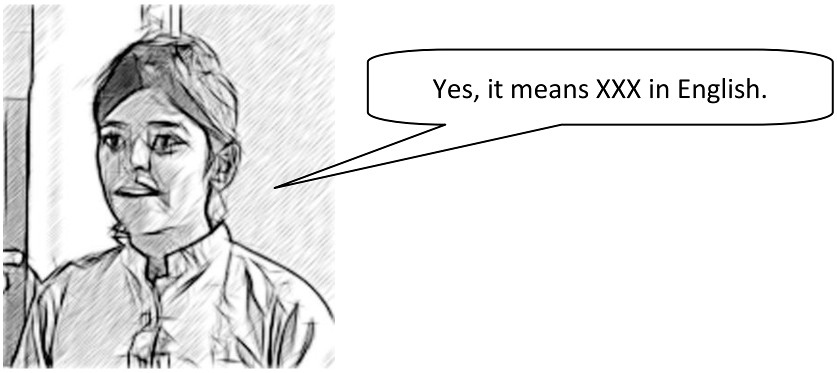


2. एक वाक्यांश बोलें (उदाहरण के लिए 'Do you know what this word means'?)। छात्र–छात्राओं से कहें: 'Repeat after me', और उनसे अपने बाद समूह के रूप में दोहराने को कहें। ऐसा दो या तीन बार करें। इससे उनका आत्मविश्वास बढ़ता है क्योंकि इस तरह वे नई भाषा का अभ्यास समूह में कर सकते हैं जो अक्सर अधिक सुरक्षित लगता है।
3. वाक्यांश को वैयक्तिक रूप से दोहराने के लिए कक्षा के कुछ छात्र–छात्राओं का चुनाव करें। इससे आपको यह जाँचने में सहायता मिलती है कि क्या वे इन वाक्यांशों का उपयोग करने में आत्मविश्वासी बन रहे हैं। यदि आपको लगता है कि आपके छात्र–छात्रा हिचक रहे हैं या उच्चारण के बारे में अस्पष्ट हैं, तो उनसे इन वाक्यांशों को फिर से समूह में दोहराने को कहें।
4. तब उस वाक्यांश के लिए जवाब बोलें (उदाहरण के लिए 'No, I don't know it either')। फिर, छात्र–छात्राओं से एक समूह के रूप में जवाब को अपने बाद दोहराने को कहें। इसे कुछ बार दोहराएं और छात्र–छात्राओं से उसे अलग–अलग दोहराने के कहें। ऐसा सारे संवाद के लिए करें।
5. कोई प्रश्न पूछें और अपने छात्र–छात्राओं से जवाब को समूह के रूप में दोहराने को कहें। आप पूछते हैं:

Do you know what this word means?

छात्र–छात्रा समूह में जवाब देते हैं:

No, I don't know it

इसे संपूर्ण संवाद के लिए जारी रखें। इससे प्रदर्शित होता है कि वाक्यों का उपयोग संवाद के लिए कैसे किया जा सकता है।

6. कक्षा को दो भागों में बाँटें। एक हिस्सा समूह में प्रश्न पूछता है:

Do you know what this word means?

दूसरा हिस्सा समूह में जवाब देता है।

No, I don't know it either.

इसे संपूर्ण संवाद के लिए जारी रखें। जब पढ़ने का समय हो तब प्रत्येक समूह की ओर इशारा करें। यदि छात्र–छात्रा मिलकर नहीं दोहराते हैं, तो गतिविधि को रोक दें और फिर से शुरू करें। हर एक को समय में बाँधे रखने के लिए आप हावभावों का उपयोग कर सकते हैं। यदि आप देखते हैं कि छात्र–छात्राओं को किन्हीं खास शब्दों (उदा. 'either') के उच्चारण में कठिनाई हो रही है, तो उनसे उन शब्दों को कुछ बार दोहराने को कहें।

7. अब तक छात्र–छात्राओं में वाक्यांशों को बोलने का आत्मविश्वास उत्पन्न हो चुका होना चाहिए। अब वे उनका अभ्यास जोड़ियों में कर सकते हैं ताकि वे उन्हें अपने बलबूते पर बोलते समय अधिक आश्वस्त हो सकें। छात्र–छात्राओं से जोड़ियाँ बनाने को कहें। एक छात्र से प्रश्न पूछने को कहें। दूसरा छात्र उत्तर देता है। फिर वे भूमिकाओं की अदलाबदली करते हैं। जोड़ियों में काम करते समय, छात्र–छात्रा संवाद का अभ्यास ऐसे करते हैं जैसे वह वार्तालाप हो। वे भाषा का स्वतंत्र रूप से उपयोग नही कर रहे हैं, लेकिन वे उन उपयोगी वाक्यांशों से परिचित हो रहे हैं जिनका उपयोग संचार करने के लिए करने में वे जल्दी ही समर्थ हो जाएंगे।

जब आपके छात्र–छात्रा जोड़ियों में काम कर रहे हों, तब कक्षा में घूमते हुए देखें कि वे किस तरह से आगे बढ़ रहे हैं। भाग लेने के लिए अपने छात्र–छात्राओं की प्रशंसा करें और उन्हें अच्छा काम जारी रखने के लिए प्रोत्साहित करें। नोट करें कि छात्र–छात्राओं को उच्चारण के साथ तो कोई कठिनाई नहीं हो रही है ताकि आप किसी आगे की गतिविधि में कठिन शब्दों का अभ्यास कर सकें।

**वीडियो: जोड़े में कार्य का उपयोग करना**

## ज़रा सोचिए

इस गतिविधि को अपने छात्र–छात्राओं के साथ आजमाने के बाद, इन प्रश्नों के बारे में सोचें:

- क्या आपके छात्र–छात्रा अपनी अंग्रेजी कक्षाओं में वाक्यांशों का उपयोग करते हैं?
- यदि नहीं, तो आप अपने छात्र–छात्राओं को उनका उपयोग करने के लिए कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं?
- यदि वे ऐसा करते हैं, तो आप उनके द्वारा प्रयुक्त वाक्यांशों की मात्रा कैसे बढ़ा सकते हैं?

छात्र–छात्रा शुरू में अंग्रेजी का उपयोग करने में हिचक सकते हैं। यदि वे चार्ट पेपर पर दी गई किसी बात को अपनी स्थानीय भाषा में कहते हैं, तो आप कह सकते हैं: 'Could you please try to say that in English?' और उन्हें वाक्यांश की याद दिलाने के लिए चार्ट पेपर की ओर इशारा कर सकते हैं। या आप कक्षा से पूछ सकते हैं, 'Students, can anyone help Vishnu say that in English?'

अधिकांश छात्र–छात्राओं को आपके द्वारा प्रदर्शित वाक्यांशों के उपयोग के साथ सहज हो जाने के बाद, आप वाक्यांशों का एक और पोस्टर बना सकते हैं। उदाहरण के लिए, आप पाठ्यपुस्तक के विभिन्न पाठों के लिए, या आपके द्वारा

चर्चित विभिन्न विषयों के लिए शब्दावली के पोस्टर बना सकते हैं। अपने छात्र–छात्राओं को जितनी बार संभव हो अंग्रेजी का उपयोग करने की याद दिलाते रहें।

## 3 अंग्रेजी बोलने में आत्मविश्वास विकसित करने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए पाठ्यपुस्तक का उपयोग करना

आप अपने छात्र–छात्राओं की अपने अंग्रेजी में बोलने के कौशलों और उच्चारण को विकसित करने में सहायता करने के लिए पाठ्यपुस्तक के अध्यायों का उपयोग भी कर सकते हैं। ऐसा करने का एक सरल तरीका है पाठ्यपुस्तक को ऊँचे स्वर में पढ़ना और अपने सभी छात्र–छात्राओं से अपने बाद उसे एक साथ दोहराने को कहना। इससे छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी का उच्चारण करने के तरीके को सीखने और उसकी लयों से परिचित होने में मदद मिलती है।

इस प्रकार की दोहराव गतिविधि संवादों और कविता जैसे लघु अंशों के साथ खास तौर पर अच्छा काम करती है। यह एक सरल और लघु गतिविधि है जिसे बस कुछ मिनटों में किया जा सकता है, शायद जब आप कोई नया पाठ या नई शब्दावली पढ़ा रहे हों तब अध्याय के आरंभ में।

आपके छात्र–छात्राओं को कुछ मिलकर दोहराने को कहना अंग्रेजी भाषा के अध्यापन में उपयोगी है क्योंकि यह:

- सभी छात्र–छात्राओं को बोलने का अवसर देता है – यहाँ तक कि बड़ी कक्षाओं में भी, प्रत्येक छात्र–छात्रा को अभ्यास करने का अवसर मिलता है
- शर्मीले छात्र–छात्राओं के लिए उत्तम है, क्योंकि इससे उन्हें स्वयं अपने बलबूते पर बोलने से पहले अधिक आश्वस्त छात्र–छात्राओं के साथ बोलने का अवसर मिलता है
- छात्र–छात्राओं को अपने उच्चारण का अभ्यास करने और अंग्रेजी की लयों के साथ परिचित होने का मौका देता है।

### केस स्टडी 2: सुश्री सबा नाज़ अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करने में अपने छात्र–छात्राओं की मदद करने के लिए पाठ्यपुस्तक से एक कविता का उपयोग करती हैं

*सुश्री सबा नाज़ हाल ही में एक ग्रामीण इलाके के सरकारी स्कूल में स्थानांतरित हुई हैं और उनके कक्षा 9 के छात्र–छात्राओं को अंग्रेजी में बोलने में कठिनाई हो रही है। वे उनके आत्मविश्वास और उच्चारण का विकास करने में उनकी मदद करना चाहती हैं और ऐसा करने के लिए पाठ्यपुस्तक के अध्यायों का उपयोग करती हैं।*

मैंने अपने छात्र–छात्राओं से उनके जीवन के बारे में कुछ प्रश्न पूछने का प्रयास किया, लेकिन वे मुझे जवाब नहीं दे सके। तब मुझे समझ में आया कि मुझे आरंभ से शुरू करना चाहिए। उन्हें अंग्रेजी बोलने का अभ्यास करने का आदी बनाने का जो सबसे अच्छा तरीका मुझे समझ में आया वह था ऊँची आवाज में पढ़ना। उपयोग के लिए सबसे आसान पाठ होते हैं पाठ्यपुस्तक के अध्याय, इसलिए मैंने बस अगले अध्याय से शुरू करने का निश्चय किया – a poem from Chapter 8 of the NCERT Class IX textbook *Beehive*: ‘Trees’, by Joyce Kilmer:

> I think that I shall never see
> A poem lovely as a tree.
> A tree whose hungry mouth is prest
> Against the earth’s sweet flowing breast;
> A tree that looks at God all day
> And lifts her leafy arms to pray;
> A tree that may in summer wear
> A nest of robins in her hair;
> Upon whose bosom snow has lain;
> Who intimately lives with rain.
> Poems are made by fools like me.

But only God can make a tree.

कक्षा से पहले, मैंने कविता को ऊँची आवाज में पढ़ने का अभ्यास किया ताकि मैं उसे पढ़ने में आश्वस्त रहूँ, और उसे ऊँची आवाज में पढ़ कर सुना सकूँ तथा उनके लिए एक अच्छा आदर्श बन सकूँ। कक्षा में, मैंने एक बार में कविता की दो पंक्तियों को ऊँची आवाज में लय के साथ पढ़ा, और छात्र–छात्राओं से अपने बाद इस तरह से दोहराने को कहाः

और उन्होंने इसे दोहराया। मैं बस चाहती थी कि वे कविता को सुनें, उसे लय में बोलें, और अपने उच्चारण का अभ्यास करें। इस बिंदु पर, मैं इस बारे में चिंतित नहीं थी कि उन्होंने कविता के विषय में क्या समझा था।

मैंने फिर सारी कक्षा से अगली दो पंक्तियों को मिलकर एक साथ पढ़ने के कहा। तो मैंने पढ़ाः

और छात्र–छात्राओं ने अनुसरण कियाः

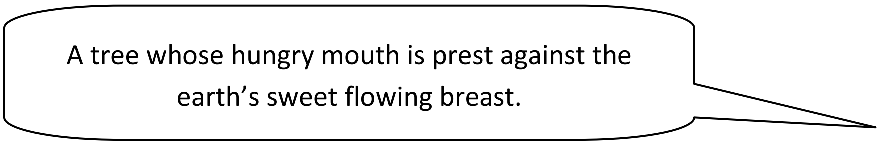


फिर मैंने अपनी कक्षा को दो भागों में बाँट दिया। मैंने कक्षा के एक भाग को पहली दो पंक्तियाँ ऊँची आवाज में पढ़ने को कहा; मैंने कक्षा के दूसरे हिस्से को अगली दो पंक्तियों को जोर से पढ़ने को कहा।

आरंभ में, छात्र–छात्राओं ने पंक्तियाँ मिलकर नहीं कहीं, इसलिए मैंने उन्हें रोका और उनसे वह दोबारा करने को कहा। इस बार मैंने यह संकेत देने के लिए अपने हाथों का उपयोग किया कि छात्र–छात्राओं को नई पंक्ति कब शुरू करनी है। मुझे लगा कि जैसे मैं किसी ऑर्केस्ट्रा का संचालन कर रही हूँ!

मैं यह सुनिश्चित करने के लिए कक्षा में भी घूमी कि सभी छात्र–छात्रा शामिल हो रहे हैं। मैंने उन छात्र–छात्राओं को जो भाग नहीं ले रहे थे यह कह कर प्रोत्साहित किया, 'Come on, let's all speak together. Just try it!'

अधिकांश छात्र–छात्रा कविता कहने में आनंद लेते लग रहे थे और काफी स्पर्धात्मक हो गए थे। प्रत्येक समूह अपनी

पंक्ति को दूसरे समूह से बेहतर कहना चाहता था! मुझे आशा है इससे उनमें अंग्रेजी में बोलने की शुरूआत करने का आत्मविश्वास जागृत होगा। इससे उन्हें कविता को बेहतर ढंग से याद रखने में, और उसकी कुछ भाषा का स्वयं अपनी बोलचाल और लेखन में प्रयोग करने में भी सहायता मिल सकती है।

पहले मैंने सोचा कि माध्यमिक छात्र–छात्राओं के साथ इस प्रकार की गतिविधि करना उचित नहीं है, क्योंकि उन्हें वास्तव में अधिक आत्मविश्वासी और अंग्रेजी बोलने में सक्षम होना चाहिए। लेकिन इस तरह के अभ्यास से ही वे वह आत्मविश्वास प्राप्त कर सकते हैं। जबकि इस गतिविधि में उन्हें उनकी अपनी भाषा उत्पन्न करने की जरूरत नहीं थी, कम से कम वे ऊँची आवाज में तो बोल रहे थे और अपने उच्चारण का अभ्यास कर रहे थे। मैं अब अपनी कक्षाओं को बोलने की गतिविधि से नियमित रूप से शुरू कर रही हूँ। एक बार उनके ऊँची आवाज में बोलने में अधिक आश्वस्त हो जाने पर, मैं बोलने की अन्य गतिविधियाँ आजमाऊँगी जिनमें वे संवाद के लिए अंग्रेजी का उपयोग करते हैं।

### गतिविधि 3: पाठ्यपुस्तक के अध्याय के साथ समूह में बोलने को आजमाना

अपनी कक्षा में दोहराव गतिविधि का उपयोग आजमाने के लिए निम्न चरणों का पालन करें।

1. पाठ्यपुस्तक के उस अगले भाग को देखें जिसे आप पढ़ाने जा रहे हैं।
2. कोई छोटा पाठ, या पाठ का हिस्सा चुनें, जिसका उपयोग आप बोलने की गतिविधि के लिए कर सकते हैं। कोई भी छोटा पाठ चलेगा लेकिन कविताएं और संवाद आदर्श होते हैं।
3. कक्षा से पहले पाठ को स्वयं बोलने का अभ्यास करें। उसे तब तक बोलें जब तक कि आप आश्वस्त न महसूस करने लगें। यदि किसी शब्द के उच्चारण के बारे में आप निश्चित नहीं हैं, तो किसी सहकर्मी या मित्र से पूछें।
4. कक्षा में, अपने छात्र–छात्राओं को पाठ (या पाठ का कुछ भाग) ऊँची आवाज में पढ़कर सुनाएं। पंक्ति दर पंक्ति (या एक बार में दो पंक्तियाँ) पढ़ें और अपने छात्र–छात्राओं को अपने बाद दोहराने को कहें। सुनिश्चित करें कि आप पाठ की पूरी पंक्तियाँ, या पूरे खंड पढ़ कर सुनाएं – एक बार में एक शब्द नहीं। आपके छात्र–छात्राओं को अर्थपूर्ण शब्दों के समूहों को बोलने का अभ्यास करना चाहिए ताकि वे भाषा की लय को समझें और शब्दों के बीच संबंध स्थापित करने लगें।
5. जब आप पाठ को पढ़ लें, और छात्र–छात्रा उसे दोहरा लें, तो कक्षा को दो या तीन समूहों में बाँट दें। प्रत्येक समूह को पढ़ने के लिए पाठ का अलग हिस्सा दें।
6. जब पढ़ने का समय हो तब प्रत्येक समूह की ओर इशारा करें।
7. यदि आपके छात्र–छात्रा मिलकर नहीं दोहराते हैं, तो गतिविधि को रोक दें और दोबारा शुरू करें। हर एक को समय के भीतर रखने के लिए आप हावभावों का उपयोग कर सकते हैं।
8. जब आपके छात्र–छात्रा दोहरा रहे हों तब उन्हें न टोकें, भले ही वे गलती कर रहे हों। उन्हें पंक्ति या खंड पूरा करने दें। आप उच्चारण की गलतियों से बाद में निपट सकते हैं।
9. कमरे में घूमती रहें और हर एक को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

**ज़रा सोचिए**

यहाँ इस गतिविधि को आजमाने के बाद आपके विचार करने के लिए कुछ प्रश्न दिए गए हैं। यदि संभव हो, तो इन प्रश्नों की चर्चा किसी सहकर्मी के साथ करें।

- क्या आपके सभी छात्र–छात्रा शामिल हुए? यदि नहीं, तो आप अगली बार शामिल होने के लिए उन सभी को कैसे प्रोत्साहित कर सकते हैं?
- इस गतिविधि को अपनी कक्षा के लिए दिलचस्प बनाए रखने के लिए आप इसे विभिन्न तरीकों

से कैसे कर सकते हैं?

- आप इस प्रकार की गतिविधि का उपयोग संवाद करने के लिए अंग्रेजी बोलने में अपने छात्र–छात्राओं की सहायता करने के लिए कैसे कर सकते हैं?

यदि आपके सभी छात्र–छात्राओं ने भाग नहीं लिया, तो बोलने में आत्मविश्वास पैदा करने के लिए शायद उन्हें अधिक समय चाहिए। यदि आप बोलने की गतिविधियाँ नियमित रूप से करेंगे तो वे इसे विकसित कर लेंगे। उनकी प्रशंसा और उन्हें प्रोत्साहित करना न भूलें। गलतियों की ओर ध्यान न खीचें। शर्मीले छात्र–छात्राओं को बोलने के अधिक अवसर और प्रोत्साहन दें। इसके उदाहरणों के लिए, संसाधन 4, 'सभी को शामिल करना', देखें।

**वीडियो: सभी को शामिल करना**

आप इस तरह की गतिविधि को अपने छात्र–छात्राओं से अंग्रेजी में वे जो कुछ कह रहे हैं उसे भिन्न तरीकों से दोहराने को कह कर दिलचस्प बनाए रख सकते हैं: धीरे से, शीघ्रता से, ऊँची आवाज में, चुपचाप, दुःखी ढंग से, इत्यादि। भिन्न–भिन्न छात्र–छात्राओं से अपने पाठों को पढ़ने के लिए कहें। आप पहले संपूर्ण कक्षा से, तब छोटे समूहों से और यहाँ तक कि अकेले छात्र–छात्राओं से कह सकते हैं। अपने सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने का प्रयास करें। यद्यपि यह मज़ेदार गतिविधि हो सकती है, लेकिन यदि इसे कई बार दोहराया गया या प्रत्येक पाठ पर लागू किया गया तो यह उबाऊ हो सकती है। छात्र–छात्राओं से एक ही चीज को बार–बार दोहराने को न कहें अन्यथा वे ऊब सकते हैं।

दोहराव गतिविधियों का प्रयोजन छात्र–छात्राओं में बोलने और उच्चारण का अभ्यास करने में आत्मविश्वास का निर्माण करने में मदद करना है। यह कविता को याद करने के लिए नहीं है। कविता को पढ़कर सुनाने का अभ्यास करके, छात्र–छात्रा अंग्रेजी भाषा की ध्वनियों और लयों से परिचित होते हैं। तथापि, अंग्रेजी में संवाद करना सीखने के लिए, उन्हें पाठ्यपुस्तक के वाक्यों को दोहराने से अधिक कुछ करने की जरूरत होती है। छात्र–छात्राओं को वार्तालाप गतिविधियों में भाग लेने की भी जरूरत होती है जिन्हें वास्तविक जीवन की स्थितियों पर लागू किया सकता है।

## 4 सारांश

इस इकाई में आपने देखा कि आप अपनी कक्षाओं में अंग्रेजी का अधिक उपयोग कैसे कर सकते हैं, ताकि आपके छात्र–छात्रा कक्षा की दैनिक गतिविधियों में संवाद के लिए अंग्रेजी का उपयोग करने के अभ्यस्त हो जायं। आपने वे गतिविधियाँ भी देखीं जिनमें छात्र–छात्रा समूहों में या व्यक्तिगत रूप से अंग्रेजी वाक्यांशों को आपके बाद दोहराकर अभ्यास करते हैं, ताकि वे कक्षा में अंग्रेजी बोलने में अधिक आश्वस्त हो सकें। इन गतिविधियों के लिए आप आवश्यक हो सकने वाली कक्षा संबंधी भाषा के उदाहरणों के लिए संसाधन 1 देखें।

यदि आपकी अपने स्वयं के उच्चारण कौशलों का विकास करने में रुचि है जिससे कि आप अपने छात्र–छात्राओं के लिए बेहतर अनुकरण उपलब्ध करा सकें, तो संसाधन 5 देखें।

इस विषय पर अन्य माध्यमिक अंग्रेजी शिक्षक विकास इकाइयाँ ये हैं:

- *अपने छात्र–छात्राओं में अंग्रेजी बोलने के आत्मविश्वास का निर्माण करना:* सामूहिक दोहराव और जोड़ी में लिखवाना बोलने में छात्र–छात्राओं का आत्मविश्वास विकसित करने में मदद करते हैं। इस इकाई में अपने छात्र–छात्राओं की अधिक आत्मविश्वासी होने में सहायता करने के तरीकों के बारे में अधिक जानें।
- *अंग्रेजी में बोलने में सहयोग करना: जोड़ी और समूहकार्य।*

## संसाधन

### Resource 1: Classroom language

यहाँ पर कक्षा के लिए उपयोगी कुछ वाक्यांश दिए गए हैं। आप इस सूची में अन्य वाक्यांश जोड़ सकते हैं।

### छात्र–छात्राओं का अभिवादन करना

Good morning students. How are you today?

Good afternoon everyone.

Are you ready to start?

Let's start the lesson.

What did you do yesterday?

How did you find the homework?

Can anyone remember what we did in the last class?

### हाजिरी लेना

Let's take attendance.

Please respond to your roll number.

Who is missing today? Is anyone absent?

Does anyone know why Sneha is not here?

Listen while I call your names.

Raise your hand and say 'Here'/'Present' when I call out your name.

### निर्देश देना

Open your books at page 38.

Look at the picture at the top of the page.

Please read the first paragraph of the text.

Tanvir, please read the questions.

Read the first stanza aloud.

Repeat after me.

Do it again, please.

Discuss the questions with your partner.

You have ten minutes.

OK – start!

Two more minutes.

OK! Time's up!

Listen. Now write down what I say.

### पूर्व ज्ञान की जाँच करना

The topic of the lesson is Nelson Mandela. Can anyone tell me who he is?

Can you remember what we did in the last class?

Does anyone already know what this is called?

Does anyone have one of these at home?

Can anyone tell me how to say XXX in English?

### बर्ताव का प्रबंधन करना

Students, could you all sit down, please.

Now the pair work activity is over. Please return to your desks.

Can you do four work together, please?

Let Santosh say something too, please.

### अपने छात्र–छात्राओं को बोलने के लिए प्रोत्साहित करना

Could you speak up a bit, please?

Would you like to try to answer, Sandesh?

Yes, that’s almost right.

Can anyone help Aisha with the answer?

Go on …

I’m sure you can answer that.

Can you explain that to the rest of the class?

### अपने छात्र–छात्राओं की प्रशंसा करना

Very good!

Very nice!

Excellent!

Well done!

Good work!

I’m impressed.

Keep it up.

That’s correct.

You were very quick!

That was very good, say it again.

You are very good at guessing.

I like the way you’re doing that.

### गृहकार्य देना

For your homework, please do Activity B.

We’re out of time. Please finish this activity at home.

Don’t forget about your homework!

At home, please do the exercises in the ‘Thinking about language’ section on page 40.

Before tomorrow’s lesson, think about a time you have taken a risk.

For homework, imagine you are Anne Frank. Think about what it must have been like to be her.

### अलविदा कहना

Okay then, that’s all for today. Goodbye. See you all tomorrow.

The bell has rung. It’s time to finish.

Put your books away.

How much time do we have left?

We still have five minutes left.

That’s all for today.

We’ll read the next part of the passage in the next lesson.

Goodbye! See you tomorrow.

Have a nice weekend.

How much homework do you have from your other lessons?

Don’t forget your homework!

Take care when you cross the road.

### अपने छात्र–छात्राओं से उनके जीवन के बारे में बात करना

How are you today?

Where is Masuma?

Is she ill?

Have you been ill? Are you okay now?

What did you do yesterday after school?

Did you have a nice day on Sunday? What did you do?

Did you do anything nice during your holiday?

What are you doing this weekend?

Is it your birthday?

Did you watch the cricket match at the weekend?

Does anyone in your family speak English?

What languages do you use at home?

### संसाधन 2: वह भाषा जिसका उपयोग छात्र–छात्रा आपसे और एक–दूसरे से बात करने के लिए कर सकते हैं

What does XXX mean?

How do I say XXX in English?

Is that correct?

I don't know how to say XXX.

Do you know what this word means?

No, I don't know either.

Let's ask Preeta. She probably knows.

Do you think that this is right?

It looks good to me.

I'm not sure if this is correct.

### संसाधन 3: जोड़े में किये गये कार्य का उपयोग करना

दैनिक जीवन में लोग काम करते हैं, दूसरों से बात करते हैं और उनकी बात सुनते हैं, तथा देखते हैं कि वे क्या करते हैं और कैसे करते हैं। लोग इसी तरह से सीखते हैं। जब हम दूसरों से बात करते हैं, तो हमें नए विचारों और जानकारियों का पता चलता है। कक्षाओं में अगर सब कुछ शिक्षक पर केंद्रित होता है, तो अधिकतर छात्र–छात्राओं को अपनी पढ़ाई को प्रदर्शित करने के लिए या प्रश्न पूछने के लिए पर्याप्त समय नहीं मिलता। कुछ छात्रछात्रा केवल संक्षिप्त उत्तर दे सकते हैं और कुछ बिल्कुल भी नहीं बोल सकते। बड़ी कक्षाओं में, स्थिति और भी बदतर है, जहां बहुत कमही छात्र–छात्रा कुछ बोलते हैं।

### जोड़े में कार्य का उपयोग क्यों करें?

जोड़े में कार्य छात्र–छात्राओं के लिए ज्यादा बात करने और सीखने का एक स्वाभाविक तरीका है। यह उन्हें विचार करने और नए विचारों तथा भाषा को कार्यान्वित करने का अवसर देता है। यह छात्र–छात्राओं को नए कौशलों और संकल्पनाओं के माध्यम से काम करने और बड़ी कक्षाओं में भी अच्छा काम करने का सुविधाजनक तरीका प्रदान करता है।

जोड़े में कार्य करना सभी आयु वर्गों और लोगों के लिए उपयुक्त होता है। यह विशेष तौर पर बहुभाषी, बहुग्रेड कक्षाओं में उपयोगी होता है, क्योंकि एक दूसरे की सहायता करने के लिए जोड़ों को बनाया जा सकता है। यह सर्वश्रेष्ठ तब काम करता है जब आप विशिष्ट कार्यों की योजना बनाते हैं और यह सुनिश्चित करने के लिए रूटीन बनाते हैं कि आपके सभी छात्र–छात्रा शिक्षण में शामिल हैं और प्रगति कर रहे हैं। एक बार इन रूटीनों को स्थापित कर लिए जाने के बाद, आपको पता लगेगा कि छात्र–छात्रा तुरंत जोड़ों में काम करने के अभ्यस्त हो जाते हैं और इस तरह सीखने में आनंद लेते हैं।

### जोड़े में कार्य करने के लिए काम

आप शिक्षण के अभीष्ट परिणाम के आधार पर विभिन्न प्रकार के कामों को जोड़े में कार्य करने के लिए उपयोग कर सकते हैं। जोड़े में कार्य को अवश्य ही स्पष्ट और उपयुक्त होना चाहिए ताकि सीखने में अकेले काम करने के मुकाबले साथ मिलकर काम करने में अधिक मदद मिले। अपने विचारों के बारे में बात करके, आपके छात्र–छात्रा स्वाभाविक रूप से खुद को और विकसित करने के बारे में विचार करेंगे।

जोड़े में कार्य करने में शामिल हो सकते हैं:

- **'विचार करें–जोड़ी बनाए–साझा करें':** छात्र–छात्रा किसी समस्या या मुद्दे के बारे में खुद ही विचार करते हैं और फिर दूसरे छात्र–छात्राओं के साथ अपने उत्तर साझा करने से पूर्व संभावित उत्तर निकालने के लिए जोड़ों में कार्य करते हैं। इसका उपयोग वर्तनी, आकलनों के जरिये कामकाज, प्रवर्गों या क्रम में चीजों को रखने, विभिन्न दृष्टिकोण प्रदान करने, कहानी आदि का पात्र होने का अभिनय करने आदि के लिए किया जा सकता है।
- **जानकारी साझा करना:** आधी कक्षा को विषय के एक पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है; और शेष आधी कक्षा को विषय के भिन्न पहलू के बारे में जानकारी दी जाती है। फिर वे समस्या का हल निकालने के लिए या निर्णय करने के लिए अपनी जानकारी को साझा करने के लिए जोड़ो में कार्य करते हैं।
- **सुनने जैसे कौशलों का अभ्यास करना:** एक छात्र कहानी पढ़ सकता है और दूसरा प्रश्न पूछता है; एक छात्र अंग्रेजी में पैसेज पढ़ सकता है, जबकि दूसरा इसे लिखने का प्रयास करता है; एक छात्र किसी तस्वीर या डायग्राम का वर्णन कर सकता है जबकि दूसरा छात्र वर्णन के आधार पर इसे बनाने की कोशिश करता है।
- **निम्नलिखित निर्देश:** एक छात्र कार्य पूरा करने के लिए दूसरे छात्र हेतु निर्देश पढ़ सकता है।
- **कहानी सुनाना या भूमिका अदा करना:** छात्र–छात्रा जो भाषा वे सीख रहे हैं, उसमें कहानी या संवाद बनाने के लिए जोड़ों में कार्य कर सकते हैं।

### सभी को शामिल करते हुए जोड़ों का प्रबंधन करना

जोड़े में कार्य करने का अर्थ सभी को काम में शामिल करना है। चूंकि छात्र–छात्रा भिन्न होते हैं, इसलिए जोड़ों का प्रबंधन इस तरह से करना चाहिए कि सभी को जानकारी हो कि उन्हें क्या करना है, वे क्या सीख रहे हैं और आपकी अपेक्षाएं क्या हैं। अपनी कक्षा में जोड़े में कार्य को रूटीन बनाने के लिए, आपको निम्नलिखित काम करने होंगे:

- उन जोड़ों का प्रबंधन करना जिनमें छात्र–छात्रा काम करते हैं। कभी–कभी छात्र–छात्रा मैत्री जोड़ों में काम करेंगे; कभी–कभी वे काम नहीं करेंगे। सुनिश्चित करें कि उन्हें बोध है कि आप उनके सीखने की प्रक्रिया को अधिकतम करने में सहायता करने के लिए जोड़ें तय करेंगे।
- अधिकतम चुनौती पेश करने के लिए, कभी–कभी आप मिश्रित योग्यता वाले और भिन्न भाषायी छात्र–छात्राओं के जोड़े बना सकते हैं ताकि वे एक दूसरे की मदद कर सकें; किसी समय आप एक स्तर पर काम करने वाले छात्र–छात्राओं के जोड़े बना सकते हैं।
- रिकॉर्ड रखें ताकि आपको अपने छात्र–छात्राओं की योग्यताओं का पता हो और आप उसके अनुसार उनके जोड़े बना सकें।
- आरंभ में, छात्र–छात्राओं को पारिवारिक और सामुदायिक संदर्भों से उदाहरण लेकर, जहां लोग सहयोग करते हैं, जोड़े में काम करने के फायदे बताएं।
- आरंभिक कार्य को संक्षिप्त और स्पष्ट रखें।
- यह सुनिश्चित करने के लिए कि छात्र–छात्रा जोड़े ठीक वैसे ही काम कर रहे हैं जैसा आप चाहते हैं, उन पर नजर रखें।
- छात्र–छात्राओं को उनके जोड़े में उनकी भूमिकाएं या जिम्मेदारियां प्रदान करें, जैसे कि किसी कहानी से दो पात्र, या साधारण लेबल जैसे '1' और '2', या 'क' और 'ख')। यह कार्य उनके एक दूसरे का सामना करने से पूर्व करें ताकि वे सुनें।
- सुनिश्चित करें कि छात्र–छात्रा एक दूसरे के सामने बैठने के लिए आसानी से मुड़ या घूम सकें।

जोड़े में कार्य के दौरान, छात्र–छात्राओं को बताएं कि उनके पास प्रत्येक काम के लिए कितना समय है और उनकी नियमित जांच करते रहें। उन जोड़ों की प्रशंसा करें जो एक दूसरे की मदद करते हैं और काम पर बने रहते हैं। जोड़ों को आराम से बैठने और अपने खुद के हल ढूंढने का समय दें – छात्र–छात्राओं को विचार करने और अपनी योग्यता

दिखाने से पूर्व ही जल्दी से उनके साथ शामिल होने का प्रलोभन हो सकता है। अधिकांश छात्र–छात्रा प्रत्येक के बात करने और काम करने के माहौल का आनंद लेते हैं। जब आप कक्षा में देखते हुए और सुनते हुए घूम रहे हों तो नोट बनाएं कि कौन से छात्र–छात्रा एक साथ आराम में हैं, हर उस छात्र–छात्रा के प्रति सचेत रहें जिसे शामिल नहीं किया गया है, और किसी भी सामान्य गलतियों, अच्छे विचारों या सारांश के बिंदुओं को नोट करें।

कार्य के समाप्त होने पर आपकी भूमिका उनके बीच की कड़ियां जोड़ने की है जिनको छात्र–छात्राओं ने बनाया है। आप कुछ जोड़ों का चुनाव उनका काम दिखाने के लिए कर सकते हैं, या आप उनके लिए इसका सार प्रस्तुत कर सकते हैं। छात्र–छात्राओं को एक साथ काम करने पर उपलब्धि की भावना का एहसास करना पसंद आता है। आपको हर जोड़े से रिपोर्ट लेने की जरूरत नहीं है – इसमें काफी समय लगेगा – लेकिन आप उन छात्र–छात्राओं का चयन करें जिनके बारे में आपको अपने अवलोकन से पता है कि वे कुछ सकारात्मक योगदान करने में सक्षम होंगे और जिससे दूसरों को सीखने को मिलेगा। यह उन छात्र–छात्राओं के लिए एक अवसर हो सकता है जो आमतौर पर अपना विश्वास कायम करने हेतु योगदान करने में संकोच करते हैं।

यदि आपने छात्र–छात्राओं को हल करने के लिए समस्या दी है, तो आप कोई नमूना उत्तर भी दे सकते हैं और फिर उनसे जोड़ों में उत्तर में सुधार करने के संबंध में चर्चा करने के लिए कह सकते हैं। यह उनको स्वयं के सीखने के बारे में विचार करने और अपनी गलतियों से सीखने में उनकी मदद करेगा।

यदि आप जोड़े में कार्य करने के लिए नए हैं, तो उन बदलावों के संबंध में नोट बनाना महत्वपूर्ण है जिन्हें आप कार्य, समयावधि या जोड़ों के संयोजनों में करना चाहते हैं। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि आप इसी तरह सीखेंगे और इसी तरह अपने अध्यापन में सुधार करेंगे। जोड़े में कार्य का सफल आयोजन करना स्पष्ट निर्देशों और उत्तम समय प्रबंधन के साथ–साथ संक्षिप्त सार संक्षेपण से जुड़ा है – यह सब अभ्यास से आता है।

## संसाधन 4: सभी को शामिल करना

### 'सभी को शामिल करें' का क्या अर्थ है?

संस्कृति और समाज की विविधता कक्षा में प्रतिबिंबित होती है। छात्र–छात्राओं की भाषाएं, रुचियां और योग्यताएं अलग–अलग होती हैं। छात्र–छात्रा विभिन्न सामाजिक और आर्थिक पृष्ठभूमियों से आते हैं। हम इन विभिन्नताओं को अनदेखा नहीं कर सकते हैं; वास्तव में हमें उन्हें सकारात्मक रूप से देखना चाहिए क्योंकि हमारे लिए ये एक दूसरे के बारे में तथा हमारे अनुभव से परे के संसार को जानने और समझने के लिए माध्यम का काम कर सकते हैं। सभी छात्र–छात्राओं को शिक्षा प्राप्त करने एवं अपनी स्थिति, योग्यता और पृष्ठभूमि से इतर जाकर सीखने का अवसर हासिल करने का अधिकार है, और इस बात को भारतीय कानून में एवं अंतरराष्ट्रीय बाल अधिकारों में मान्यता प्राप्त है। 2014 में राष्ट्र के नाम अपने पहले संबोधन में, प्रधानमंत्री मोदी ने भारत के सभी नागरिकों के मूल्यों, मान्यताओं को महत्व दिए जाने पर बल दिया भले ही किसी नागरिक की जाति, लिंग या आय कुछ भी क्यों न हो। इस संबंध में विद्यालयों और शिक्षक/शिक्षिकाओं की बहुत ही महत्वपूर्ण भूमिका है।

हम सभी के पास उन दूसरे लोगों को लेकर पूर्वाग्रह और विचार होते हैं जिनसे हमारा परिचय या साक्षात्कार नहीं हुआ हो सकता है। एक शिक्षक/शिक्षिका के रूप में, आपके पास प्रत्येक छात्र–छात्रा के शैक्षिक अनुभव को सकारात्मक या नकारात्मक ढंग से प्रभावित करने की शक्ति होती है। चाहे जानबूझकर हो या अनजाने में, आपके निहित पूर्वाग्रहों और विचारों का इस बात पर अवश्य प्रभाव होगा कि आपके छात्र–छात्रा कितनी बराबरी के साथ सीख रहे हैं। आप अपने छात्र–छात्राओं को असमान व्यवहार से सुरक्षित करने के लिए कदम उठा सकते हैं।

### आपके द्वारा अधिगम (सीखने) में सभी को शामिल करना सुनिश्चित करने के लिए तीन प्रमुख सिद्धांत

- **ध्यान देना:** प्रभावी शिक्षक/शिक्षिका चौकस, अनुभवी एवं संवेदनशील होते हैं; वे अपने छात्र–छात्राओं में होने वाले बदलावों पर *ध्यान* देते हैं। यदि आप चौकस हैं तो आप उन बातों पर ध्यान देंगे जब एक छात्र–छात्रा कुछ अच्छा करता है, जब उसे सहायता की आवश्यकता होती है और जब वह दूसरों के साथ जुड़ता है। आप अपने छात्र–छात्राओं में होने वाले परिवर्तनों का भी अनुभव कर सकते हैं जो उनकी घरेलू परिस्थितियों या अन्य

समस्याओं के चलते प्रतिबिंबित हो सकते हैं। सभी को शामिल करने के लिए दैनिक रूप से अपने छात्र–छात्राओं पर, खास तौर पर उपेक्षित या प्रतिभागिता करने में असमर्थ महसूस कर सकने वाले छात्र–छात्राओं पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

- **आत्मसम्मान पर ध्यान केंद्रित करना:** अच्छे नागरिक वे होते हैं जो अपने स्वत्व को लेकर सहज होते हैं। उनमें आत्मसम्मान की भावना होती है, उन्हें अपनी शक्तियों और कमजोरियों का पता होता है और उनमें व्यक्तियों की पृष्ठभूमि के प्रति पूर्वाग्रह रखे बिना सकारात्मक संबंध स्थापित करने की योग्यता होती है। वे स्वयं का और दूसरों का सम्मान करते हैं। एक शिक्षक/शिक्षिका के रूप में, आपके युवा छात्र–छात्राओं के आत्मसम्मान पर महत्वपूर्ण प्रभाव हो सकता है; अपनी इस शक्ति के बारे में जानें और प्रत्येक छात्र–छात्रा के अंदर आत्मसम्मान विकसित करने के लिए उसका प्रयोग करें।
- **लचीलापन:** यदि कोई विधि या गतिविधि आपकी कक्षा में किसी विशिष्ट छात्र–छात्रा, समूह या व्यक्ति के लिए काम नहीं कर रही है तो अपनी योजनाओं में बदलाव करने या गतिविधि को रोकने के लिए तैयार रहें। लचीली दृष्टि रखने से आप समायोजन करने में सक्षम होंगे जिससे आप अधिक प्रभावी ढंग से सभी छात्र–छात्राओं को सहभागी बना सकते हैं।

## हर समय आपके द्वारा अपनाए जा सकने वाले दृष्टिकोण

- **अच्छा व्यवहार प्रस्तुत करना:** जातीयता, धर्म या लिंग का भेदभाव किए बिना अपने छात्र–छात्राओं के साथ अच्छे ढंग से व्यवहार कर उनके सामने आदर्श प्रस्तुत करें। सभी छात्र–छात्राओं के साथ सम्मानजनक व्यवहार करें और अपने शिक्षण के माध्यम से यह बात स्पष्ट करें कि आप सभी छात्र–छात्राओं को एक समान महत्व देते हैं। उन सभी के साथ सम्मान से बात करें, उनके विचार उपयुक्त होने पर उसे महत्व दें और उन्हें सभी के लिए लाभप्रद कार्य करने के लिए कक्षा के लिए जिम्मेदारी उठाने को प्रोत्साहित करें।
- **अधिक उम्मीदें:** योग्यता सीमित नहीं होती है; यदि छात्र–छात्राओं को उचित सहायता मिले तो वे सीख सकते हैं और प्रगति कर सकते हैं। यदि किसी छात्र–छात्रा को आपके द्वारा कक्षा में की जा रही गतिविधि समझने में मुश्किल हो रही है तो ऐसा न समझें कि वे अब कभी भी जान और समझ नहीं सकते। एक शिक्षक/शिक्षिका के रूप में आपकी भूमिका बेहतरीन ढंग से प्रत्येक छात्र–छात्रा को सीखने में मदद करने की होनी चाहिए। यदि आप अपनी कक्षा के प्रत्येक छात्र–छात्रा से अधिक उम्मीद करते हैं तो आपके छात्र–छात्राओं में यह प्रबल धारणा बन सकती है कि यदि वे डटे रहते हैं तो अधिक सीखेंगे। अधिक उम्मीदें व्यवहार में भी दिखनी चाहिए। सुनिश्चित करें कि उम्मीदें स्पष्ट हैं और छात्र–छात्रा एक दूसरे से सम्मानजनक व्यवहार करते हैं।
- **अपने शिक्षण में विविधता लाएं:** छात्र–छात्रा अलग अलग तरीकों से सीखते हैं। कुछ छात्र–छात्राओं को लिखना पसंद होता है; तो कुछ अन्य को अपने विचार निरूपित करने के लिए माइंड मैप या चित्र बनाना अच्छा लगता है। कुछ छात्र–छात्रा अच्छे श्रोता होते हैं; कुछ अन्य तब सर्वश्रेष्ठ ढंग से सीखते हैं जब उन्हें अपने विचार के बारे में बात करने का अवसर प्राप्त होता है। आप हर समय सभी छात्र–छात्राओं के अनुरूप नहीं कर सकते हैं लेकिन आप अपने शिक्षण में विविधता पैदा कर सकते हैं और छात्र–छात्राओं को उनके द्वारा किए जा सकने के लिए कुछ अधिगम गतिविधियों में से अपना विकल्प चुनने का अवसर दे सकते हैं।
- **रोजमर्रा की जिंदगी से अधिगम (सीखने) को जोड़ें:** कुछ छात्र–छात्राओं को वे बातें अपने रोजमर्रा की जिंदगी के लिए अप्रासंगिक लग सकती हैं जिन्हें आप उनसे सीखने के लिए कहते हैं। आप इसे यह सुनिश्चित करने के द्वारा संबोधित कर सकते हैं कि जब भी संभव हुआ आप उस अधिगम (सीखने) को उनके लिए प्रासंगिक संदर्भ से जोड़ कर दिखाएंगे और आप उनके खुद के अनुभव से उदाहरण द्वारा निरूपित करेंगे।
- **भाषा का उपयोग:** अपने द्वारा प्रयोग की जाने वाली भाषा को लेकर सचेत रहें। सकारात्मक और प्रशंसात्मक भाषा का प्रयोग करें, छात्र–छात्राओं का उपहास न उड़ाएं। हमेशा उनके व्यवहार पर टिप्पणी करें, न कि स्वयं उन पर। 'तुम मुझे आज परेशान कर रहे हो' जैसे वाक्य बेहद व्यक्तिगत प्रकार के होते हैं, इसके बजाय आप इसे 'आज मुझे तुम्हारा व्यवहार कष्टप्रद लग रहा है। क्या कोई कारण है जिसके चलते ध्यान केंद्रित करने में तुम्हें मुश्किल हो रही है?' के रूप में बेहतर ढंग से व्यक्त कर सकते हैं।

- **रूढ़िवादिता को चुनौती दें:** उन संसाधनों का पता लगाएं और प्रयोग करें जो लड़कियों को गैर–रूढ़िवादी भूमिकाओं में प्रस्तुत करता है या वैज्ञानिक आदि अनुकरणीय महिलाओं को विद्यालय में आने के लिए निमंत्रित करें। लिंग को लेकर आप अपनी खुद की रूढ़िवादिता के प्रति सचेत रहें; आप जानते हैं कि लड़कियां खेलकूद के क्षेत्र में भी भाग लेती हैं वहीं लड़के देखभाल वाले कार्यों में भी पाए जाते हैं, लेकिन प्रायः हम इन्हें अलग ढंग से व्यक्त करते हैं, क्योंकि हम इसी तरीके से समाज में बात करने के अभ्यस्त होते हैं।
- **एक सुरक्षित, सुखद अधिगम वातावरण का निर्माण करें:** यह जरूरी है कि सभी छात्र–छात्रा विद्यालय में सुरक्षित और प्रसन्नचित्त महसूस करें। आप ऐसी स्थिति में होते हैं जिसमें आप अपने छात्र–छात्राओं को एक दूसरे के लिए परस्पर सम्मान और मित्रतापूर्ण व्यवहार के लिए प्रोत्साहित कर प्रसन्नचित्त महसूस करा सकें। इस बात पर विचार करें कि अलग अलग छात्र–छात्राओं के लिए विद्यालय और कक्षा को किस तरह विशिष्ट बनाया जा सकता है। इस बारे में सोचें कि उन्हें कहां बैठने के लिए कहा जाना चाहिए और सुनिश्चित करें कि दृश्य या श्रवण बाधा या शारीरिक अक्षमता वाला कोई भी छात्र–छात्रा अपना पाठ पढ़ने और सीखने के लिए कहां बैठ सकता है। इस बात की जांच करें कि शर्मीले स्वभाव या आसानी से विचलित होने वाले छात्र–छात्राओं को आप किस तरह आसानी से अपनी गतिविधियों में शामिल कर सकते हैं।

## विशिष्ट शिक्षण दृष्टिकोण

ऐसे कई विशिष्ट दृष्टिकोण हैं जिनसे आपको सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने में मदद मिलेगी। इन्हें अन्य प्रमुख संसाधनों में और अधिक विस्तार से वर्णित किया गया है लेकिन यहां संक्षिप्त परिचय दिया जा रहा है:

- **प्रश्न पूछना:** यदि आप छात्र–छात्राओं को हाथ खड़े करने के लिए कहते हैं तो वही छात्र–छात्रा जवाब देने को प्रवृत्त होते हैं। ऐसे कई अन्य तरीके भी हैं जिनसे जवाबों के बारे में सोचने और प्रश्नों पर प्रतिसाद देने के लिए अधिक छात्र–छात्राओं को शामिल किया जा सकता है। आप विशिष्ट छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछ सकते हैं। कक्षा से कहें कि आप यह निर्णय लेंगे कि कौन उत्तर देगा, फिर आप सामने बैठे हुए छात्र–छात्राओं की अपेक्षा कक्षा में पीछे या किनारे में बैठे छात्र–छात्राओं से प्रश्न पूछें। छात्र–छात्राओं को 'सोचने के लिए समय' दें और विशिष्ट छात्र–छात्राओं से अपना योगदान देने के लिए कहें। विश्वास का निर्माण करने के लिए जोड़ी या समूहकार्य का प्रयोग करें ताकि आप संपूर्ण कक्षा चर्चा में हरेक को शामिल कर सकें।
- **मूल्यांकन:** रचनात्मक मूल्यांकन के लिए तकनीकों की श्रृंखला विकसित करें, इनसे आपको प्रत्येक छात्र–छात्रा को बेहतर ढंग से जानने में मदद मिलेगी। छिपी प्रतिभाओं और खामियों को उजागर करने के लिए आपको रचनात्मक होने की जरूरत है। कतिपय छात्र–छात्राओं एवं उनकी योग्यताओं के बारे में सामान्यीकृत विचारों के कारण कुछ धारणाएं बन जाती हैं जबकि रचनात्मक मूल्यांकन आपको सटीक जानकारी देगा। तब आप उनकी व्यक्तिगत आवश्यकताओं पर प्रतिसाद देने के लिए बेहतर स्थिति में होंगे।
- **समूह कार्य एवं जोड़ी में कार्य:** सभी छात्र–छात्राओं को शामिल करने और उन्हें एक दूसरे को महत्व देने के लिए प्रोत्साहित करने के लक्ष्य को ध्यान में रखकर इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार करें कि किस तरह आप अपनी कक्षा को समूह में विभाजित कर सकते है या उनमें जोड़े बना सकते हैं। सुनिश्चित करें कि सभी छात्र–छात्राओं को एक दूसरे से सीखने और अपनी सीखी बातों पर विश्वास का निर्माण करने के लिए अवसर प्राप्त है। कुछ छात्र–छात्राओं में एक छोटे समूह में अपने विचारों को व्यक्त करने और प्रश्न पूछने के लिए आत्मविश्वास होगा किंतु हो सकता है कि संपूर्ण कक्षा के सामने उन्हें अपने को खड़ा करने में झिझक हो।
- **विशिष्टीकरण:** अलग अलग समूहों के लिए अलग अलग कार्य निर्दिष्ट करने से छात्र–छात्राओं को अपनी सीखी हुई जगह से शुरू करने और आगे बढ़ने में मदद मिलेगी। समाप्ति रहित कार्य निर्धारित करने से सभी छात्र–छात्राओं को सफल होने का अवसर प्राप्त होगा। छात्र–छात्राओं को विभिन्न कार्यों में विकल्प प्रदान करने से उन्हें उस कार्य के प्रति उत्तरदायित्व का अहसास करने और अपने अधिगम के लिए जवाबदेही लेने में मदद मिलेगी। व्यक्तिगत अधिगम आवश्यकताओं का ध्यान रखना कठिन होता है, खास तौर पर बड़ी कक्षा में लेकिन अलग अलग कार्यों और गतिविधियों का उपयोग कर इसे किया जा सकता है।

**संसाधन 5: अपनी अंग्रेज़ी का विकास करें**

अपने उच्चारण को सुधारने के लिए कुछ सुझाव प्रस्तुत हैं:

- आप जितनी अधिक हो सके उतनी अंग्रेजी सुनें, और देखें कि शब्दों का उच्चारण कैसे किया जाता है।
- उन शब्दों या स्वरों को बोलने का अभ्यास करें जो आपको कठिन लगते हैं।
- अकेले स्वरों का ही अभ्यास न करें; आपको जोर देने और लय के लिए लंबे गद्यांशों को बोलने का अभ्यास करने की भी जरूरत पड़ेगी।
- यदि संभव हो, तो स्वयं को रिकार्ड करें और रिकार्डिंग को सुनें। स्वयं को फिर से रिकार्ड करें और आपको जो गलतियाँ नज़र आएं उन्हें सुधारें।
- सटीक लहजे के साथ अंग्रेजी बोलने के बारे में चिंता न करें। अंग्रेजी के कई भिन्न लहजे और प्रकार हैं। महत्वपूर्ण यह है कि जब आप बोलें तब लोग आपकी बात को समझ सकें।

कुछ अधिक उपयोगी संसाधन पाने के लिए इन लिंक्स पर क्लिक करें:

- Pronunciation tips: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/grammar/pron/
- Phonemic chart: http://www.teachingenglish.org.uk/article/phonemic-chart

## संदर्भ / संदर्भग्रंथ सूची


BBC Learning English (undated) 'Pronunciation tips' (online). Available from: http://www.bbc.co.uk/worldservice/learningenglish/grammar/pron/ (accessed 27 November 2013).

National Council of Educational Research and Training (2006a) *Beehive: Textbook in English for Class XI*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 31 July 2013).

National Council of Educational Research and Training (2006b) *Honeysuckle: Textbook in English for Class VI*, National Council of Educational Research and Training. Available from: http://www.ncert.nic.in/NCERTS/textbook/textbook.htm (accessed 31 July 2013).

Lindsay, C. and Knight, D. (2006) *Learning and Teaching English: A Course for Teachers*. Oxford: Oxford University Press.

Pearson (undated) 'Classroom language' (online). Available from: http://www.pearsonlongman.com/young_learners/pdfs/classroomlanguage.pdf (accessed 28 November 2013).

STiR Education (undated) '2012 STiR micro-innovations' (online). Available from: http://www.stireducation.org/ambition/2012-micro-innovations/ (accessed 28 November 2013).

TeachingEnglish (2010) 'Phonemic chart' (online), 15 December. Available from: http://www.teachingenglish.org.uk/article/phonemic-chart (accessed 27 November 2013).


## अभिस्वीकृतियाँ


तृतीय पक्षों की सामग्रियों और अन्यथा कथित को छोड़कर, यह सामग्री क्रिएटिव कॉमन्स एट्रिब्यूशन–शेयरएलाइक लाइसेंस (http://creativecommons.org/licenses/by-sa/3.0/) के अंतर्गत उपलब्ध कराई गई है। नीचे दी गई सामग्री मालिकाना हक की है तथा इस परियोजना के लिए लाइसेंस के अंतर्गत ही उपयोग की गई है, तथा इसका Creative Commons लाइसेंस से कोई वास्ता नहीं है। इसका अर्थ यह है कि इस सामग्री का उपयोग अननुकूलित रूप

से केवल TESS-India परियोजना के भीतर किया जा सकता है और किसी भी बाद के OER संस्करणों में नहीं। इसमें TESS-India, OU और UKAID लोगो का उपयोग भी शामिल है।

इस यूनिट में सामग्री को पुनः प्रस्तुत करने की अनुमति के लिए निम्न स्रोतों का कृतज्ञतापूर्ण आभारः

केस स्टडी 2: पाठ्यपुस्तक *मधुमक्खी का छत्ता* के अध्याय 8 में जॉयस किल्मर (1913) द्वारा 'वृक्ष', NCERT कक्षा 11 http://ncert.nic.in/ I['Trees' by Joyce Kilmer (1913) in Chapter 8 of the textbook Beehive, NCERT Class XI http://ncert.nic.in/]

कॉपीराइट के स्वामियों से संपर्क करने का हर प्रयास किया गया है। यदि किसी को अनजाने में अनदेखा कर दिया गया है, तो पहला अवसर मिलते ही प्रकाशकों को आवश्यक व्यवस्थाएं करने में हर्ष होगा।

वीडियो (वीडियो स्टिल्स सहित): भारत–भर के उन शिक्षक प्रशिक्षकों, प्रधानाध्यापकों, शिक्षकों और छात्र–छात्राओं के प्रति आभार प्रकट किया जाता है जिन्होंने उत्पादनों में दि ओपन युनिवर्सिटी के साथ काम किया।